अलंकरण | डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया 13वां दीक्षांत समारोह

मेडल झटकने में लड़कियों का दबदबा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में शनिवार को 13 वां दीक्षांत समारोह मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह और विवि के कुलाधिपति राम नाईक ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर 62 मेडल बांटे गए जिसमें 14 मेडल पर लड़कों का तथा 48 मेडल पर बेटियों का कब्जा रहा। समारोह में इस बार एकेटीयू से संबद्ध गवर्नमेंट कॉलेज के टॉप थ्री छात्रों को भी मेडल प्रदान किए। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत कुलाधिपति और मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलन करके की। इसके बाद राष्ट्रगान और फिर विवि का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। जिन कॉलेजों के बच्चों को मेडल दिए गये उनमें से एचबीटीआई कानपुर, आईईटी लखनऊ, बीआईटी झांसी, केएनआईटी सुल्तानपुर और मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी के अंतिम बैच के छात्र शामिल रहे। इन पांचों कॉलेजों के टॉप थ्री स्टूडेंट्स को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिला। यह व्यवस्था इस बार से लागू की गयी है। इसके अलावा 64083 छात्र-छात्राओं को डिग्रिया भी प्रदान की गयी।

शनिवार को एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. विनय पाठक। इस मौके पर राज्यपाल राम नाईक भी मौजूद रहे।

कुलपति ने प्रस्तुत की विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्टः समरोह के दौरान एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने विवि की प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जब हमने कार्यभार संभाला तब स्थितियां ठीक नहीं थी। आज विश्वविद्यालय ने जो उपलब्धियां हासिल की है उसे पूरा देश मानता है। कुलपति ने बताया कि विवि से सम्बद्ध अंसल टेक्निकल कैंपस के थर्ड ईयर छात्र ने ऐसा ऐप लॉन्च किया जिसके माध्यम से शिक्षक मोबाइल पर ही छात्रों की उपस्थिति ले सकेंगे, साथ ही छात्रों की उपस्थिती ऑनलाइन भी हो जाएगी। वहीं छात्रों के लिए प्रत्येक सप्ताह में तीन दिन कुलपति से मिलने का समय निर्धारित किया गया है जिसमें परीक्षा अनुभाग के सभी अधिकारी भी उपस्थित रहते हैं। इसके अलावा इस साल विवि ने अपने सम्बद्ध संस्थानों से कम से कम एक ग्राम को विकास हेतु गोद लेने की पहल की गई है।

62 में 14 लड़कों के लिए खतरे की घंटीः राज्यपालः गवर्नर राम नाइक ने अपनी स्पीच के दौरान कहा कि 62 मेडलों में सिर्फ 14 ही लड़कों को मिले हैं। बाकी तो सब लड़कियों ने ले लिए। ये मेडल छात्रों के लिए खतरे की घंटी है। राजनीति में हम महिलाओं को रिजर्वेशन देने की चर्चा करते हैं कि उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए कहीं टॉपर्स लिस्ट में लड़को को भी जरूरत न पड़ जाए।

एसआरएमयू के छात्र-छात्राएं रहे आगेः रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप ऑफ प्रोफेशनल कॉलेज बीस मेधावियों में से तहजीब जाहरा- बी.टेक (सिविल अन्तिम वर्ष), प्रियांशा तिवारी- बी टेक (आईटी अन्तिम वर्ष), प्रियंका अवस्थी- एम बीए (अन्तिम वर्ष को डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त सना परवीन- बी टेक(ई सी अन्तिम वर्ष) एवं नमिता- एम.बी ए अन्तिम वर्ष को कास्य पदक प्रदान किया गया।

देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों में से एक है एकेटीयू: किरन

लखनऊ। एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में मानद उपधि से नवाजे गये इसरो चेयरमैन एएस किरन कुमार ने एकेटीयू के तारीफ करते हुए कहा कि पूरे भारत में मौजूद प्राविधिक विश्वविद्यालय में एकेटीयू की अलग पहचान है। सबसे बड़ी बात है कि इस विश्वविद्यालय से करीब साढ़े छः सौ प्राविधिक कॉलेज संम्बद्ध है। जो पूरे प्रदेश में टेक्निकल शिक्षा का तेज़ी से विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन कॉलेजों में जिस तरह से स्नातक, परास्नातक एवं शोध कार्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कॉलेजों में टेक्नोलॉजी, फार्मेसी, के साथ बीए तथा एमसीए जैसी विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिससे देश और विकास की ओर बढ़ेगा। उन्होंने इस दौरान प्रकृति से सीखने तथा ज्ञान अर्जित करने का बल दिया।

शनिवार को एकेटीयू में इसरो चेयरमैन एएस किरन कुमार को मानद उपाधि प्रदान करते राज्यपाल राम नाईक। कैनविज टाइम्स

अलकायदा और इन्फोसिस में काफी समानता : राजनाथ

गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन के दौरान ऐसा कुछ बोल दिया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई घटना की याद ताजा हो गई। राजनाथ के बयान से शुरुआत में छात्र थोड़े कन्फ्यूज हो गए। गृह मंत्री ने कहा, 'अलकायदा और इन्फोसिस में काफी समानता है। दोनों के लोग टेलेंटेड होते हैं। दोनों का ग्लोबल नेटवर्क है। दानों में कमिटेड यूथ हैं। लेकिन एक समाज के लिए फायदेमंद हैं, तो दूसरा विनाशकारी है। हमें सोच को बदलना होगा। तभी टेक्नोलॉजी को सही ढंग से इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञानी होना ही सबकुछ नहीं हमारे जीवन के लिए चरित्र भी बहुत मायने रखता है। जिसमें हम उदाहरण के साथ कह सकते हैं कि राम भी थे और रावण भी लेकिन दुनिया पूजती राम को है जबकि रावण बलिष्ठ, बुद्धिमान और धनवान था, लेकिन राम के पास चरित्र था। गृहमंत्री राजनाथ सिंह समारोह के दौरान छात्रों को भारत की विशेषताओं को बताते हुए हौसला बढ़ा रहे थे कि इसी दौरान लाइट चली गई। माहौल देखकर राजनाथ ने चुटकी लेते हुए कहा, लगता है अब मुझे बोलना बंद कर देना चाहिए। शायद ज्यादा हो गया। इससे पहले उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को लेकर कहा कि उनसे मेरा बहुत करीबी रिश्ता रहा है। देश के महत्वपूर्ण काम उन्होंने किए हैं। जिसे देश कभी उन्हें भूल नहीं सकता है।

किसान का बेटा बना टॉपर

अगर जीवन में कुछ करने का एक संकल्प लिया जाए तो कोई भी काम मुश्किल नहीं होता। यह एक बार फिर सिद्ध कर दिया है एक किसान के बेटे ने। जनपद बुलंदशहर के एक छोटे से गांव(लछोई) के रहने वाले सुमित कुमार ने भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने बीटेक(एग्रीकल्चर) में टॉप किया। एकेटीयु के दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यपाल राम नाईक ने सुमित को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। सुमित ने एग्रीकल्चर ब्रांच में 81% अंक के साथ यूनिवर्सिटी में टॉप किया।

वैज्ञानिक बनना लक्ष्य है: सुमित का लक्ष्य वैज्ञानिक बनने का है। फिलहाल वे एमटेक कि तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने इस मेडल का श्रेय अपने-माता पिता को देना चाहते हैं जिनके आशिर्वाद और विश्वास के कारण वे अपने जीवन में आगे बढ़ पाए।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

गोल्ड मेडल पर बेटियों का दबा रहा। इसमें सिविल इंजीनियरिंग में तहजीब जारा, सीएसई में प्रतिक्षा वार्ष्णेय, ट्रिपल ई में सोनम द्विवेदी, ईआईई में साक्षी गंभीर, ईसीई में नकुल गर्ग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में साक्षी मिश्रा, सीटीटी मे प्रियंका गुप्ता, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में सुमित कुमार, बॉयोटेक्नोलॉजी में स्वेता त्रिपाठी, बैचलर ऑफ फार्मेशी में शिवम बटला, बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट क्रियेटिंग टेक्नोलॉजी उजेर अशफाक, मॉस्टर ऑफ बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन प्रियंका अवस्थी, एमसीए दीप्ति अरोरा, बीआर्क में मीत फतेवार, बैचलर ऑफ फैशन में आकृति सिंघल, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी में प्रियंशा तिवारी को गोल्ड मेडल से नवाजा गया।

सिल्वर मेडल विजेता

शुभि श्रीवास्तव, पूर्वी गोयल, सम्मा परवीन, कृतिका कपूर, सुरभि अग्रवाल, कार्तिके दिवेदी, रोचक राठौर, धनंजय सिंह, रिचा त्रिपाठी, छाया शर्मा, प्रतिभा, कृतिका अग्रवाल, अनिष्ठा जैन, रितु टॉयल, सेफाली बंसल अपराजिता वर्मा

इनके हिस्से आया ब्रांज मेडल

लिपि गौण, अंशिका अग्निहोत्री, मेघा जौहरी, रुपाली तिवारी, कायनात जफर, अवलीन कौर नगपाल, अमर दुबे, मृदला शर्मा, गरिमा चौहान, केएम जूही सागर, नमिता, ऐशी जैन, सौम्या, प्रिया रॉय, करुणा।

पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई

दीक्षांत समारोह में 34 लोगों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी। जिसमें सबसे पहले अर्चना सिंह, राम चन्द्र सिंह, अरुण कुमार सिंह, नीता शर्मा, गिरीश चन्द्र, रघुराज सिंह सूर्यवंशी, उपेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार, कमल शाह, शुक्रिया, दीप्ति निगम, देव कुमार वर्मा, उमा चरण सिंह यादव, निवेदिता तिवारी, मनीष कुमार गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, औलोकिक कुमार सिंह, अर्पणा मिश्रा, मोनिका वर्मा, स्वेता अवस्थी, खुर्शीद आलम, अजय पाल इन्दौलिया, जागृति कांडपाल, सुनील कुमार यादव, उज्ज्वला, सुस्मिता शुक्ला, राधिका कपूर, मोहन कुमार, दीपिका।